अमरावती पुरूषोत्तम राजकीय बहुउद्देशीय दिव्यांग विकास संस्थान
खुशीपुर, वाराणसी।
(संचालित– दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0, लखनऊ)

संक्षिप्त परिचय

दिव्यांग बच्चों में विभिन्न दिव्यांगताओं विशेषतः बौद्धिक अक्षमता की रोकथाम एवं उनके समुचित इलाज एवं पुनर्वासन के उपरान्त विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षक प्रदान करके उनके पुनर्वासन की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से खुशीपुर, वाराणसी में **"अमरावती पुरूषोत्तम राजकीय बहुउद्देशीय दिव्यांग विकास संस्थान, खुशीपुर, वाराणसी"** संचालित हैं।

उद्देश्य

संस्थान का मुख्य उद्देश्य 06 वर्ष से ऊपर के बौद्धिक अक्षम दिव्यांग बच्चों को उनके बुद्धि–लब्धि (I.Q.) के आधार पर विभिन्न समूहों में सामान्य शिक्षण /प्रशिक्षण के साथ आन्तरिक चिकित्सकीय सुविधा प्रदान कराने के साथ ही विविध विधाओं में व्यावसायिक शिक्षण प्रदान कर उनके पुनर्वासन में सहायता प्रदान करना हैं। संस्थान परिसर में ही दिव्यांग छात्रों को आवासीय एवं अनावासी दोनों प्रकार की सामान्य शिक्षण/प्रशिक्षण की सुविधा पूर्णतया निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। संस्थान में बौद्धिक अक्षम दिव्यांग बच्चों को सामान्य शिक्षण–प्रशिक्षण एवं चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ ही उनके पुनर्वासन की व्यवस्था की गयी है, तथा उनको रोजगार परक प्रशिक्षण प्रदान कर आजीविका के लिए स्वालम्बी बनाया जाता है ताकि वे समाज में पुर्नस्थापित होकर आत्मनिर्भर बन सके।

संस्थान में दिव्यांग छात्रों को विशेष सामान्य शिक्षण/प्रशिक्षण एवं आन्तरिक चिकित्सकीय सुविधा प्रदान कराने एवं विभिन्न क्रियाकलापों के संचालन हेतु कुल पॉच यूनिट संचालित हैं।

क. डायग्नोस्टिक व फिटमेन्ट सेन्टरः– सेन्टर में दिव्यांग छात्रों हेतु चिकित्सकीय सुविधा के साथ–साथ फिजियोथिरैपी, स्पीचथिरैपी की सुविधा प्रदान कराना है। क्लिनिकल साइकोलाजिस्ट (मनोवैज्ञानिक) द्वारा विभिन्न प्रकार के मानसिक मंद छात्रों का बुद्धि–लब्धि (I.Q.) के आधार पर विभिन्न ग्रुपों (समूहों) में सामान्य शिक्षण–प्रशिक्षण के लिए तैयार किया जाता हैं।

ख. विशेष शिक्षा केन्द्रः– विशेष शिक्षा केन्द्र में 6 वर्ष से ऊपर के बौद्धिक अक्षम दिव्यांग बच्चों हेतु अनावासीय विशेष सामान्य शिक्षण/प्रशिक्षण की व्यवस्था है। बौद्धिक अक्षम दिव्यांग बच्चों सामान्य शिक्षण/प्रशिक्षण के साथ योगा, पी.टी., खेलकूद, कला, संगीत, वोकेशनल प्रशिक्षण के साथ कौशल क्रिया एवं सामान्य व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाता हैं।

ग. व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रः– इस यूनिट में दिव्यांग बच्चों को उनके I.Q. एवं रूचि के अनुसार विभिन्न प्रकार के (जैसे–फिटर, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटर (संगणक) आदि) व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसके द्वारा वे समाज में पुनर्वासित होकर आत्मनिर्भर बनकर अपनी आजीविका चला सकें।

घ. **रिसोर्स सेन्टरः–** इस ट्रेड में समुदाय पर आधारित दिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावक को जन जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कराना है, तथा आस–पास के क्षेत्र में कैम्प एवं संगोष्ठी के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाना, दिव्यांगता के प्रमुख कारण एवं उनके रोक–थाम के उपायों को बतलाना, उनको समाज में पुनर्वासित कराना, तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना है।

च. **सामान्य प्रशासनः–** सामान्य प्रशासन, स्टोर, आवासीय छात्रों हेतु खाद्यान की व्यवस्था एवं रख–रखाव का कार्य कराया जाता है।

वर्तमान स्थिति/प्रगति

संस्थान में वित्तीय वर्ष 2020–21 में 65 दिव्याग बच्चों, 2021–22 में 59 दिव्यांग बच्चों, 2022–23 में 59 दिव्यांग बच्चों, 2023–24 में 94 दिव्यांग बच्चों तथा 2024–25 में 89 दिव्यांग बच्चों सहित कुल 366 दिव्यांग बच्चों को शिक्षण–प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। वर्तमान में संस्थान में 12 शिक्षको–प्रशिक्षको द्वारा विशेष शिक्षा केन्द्र और व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र में दिव्यांग बच्चो को सामान्य शिक्षण–प्रशिक्षण के साथ कौशल विकास, योगा, पी0टी0, संगीत इत्यादि का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। संस्थान में वित्तीय वर्ष 2024–25 में 211 निराश्रित दिव्यांग महिलाओं को विभिन्न बैचों में निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण के उपरान्त C.S.R. के माध्यम से निःशुल्क सिलाई मशीन प्रदान करायी गयी है।